मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

E-NEWS LETTER

July-December 2023

www.mpbou.edu.in

स्वअधिगम सामग्री लेखन कार्यशाला

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 14 से 16 जुलाई 2023 को दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा के लिए स्व अधिगम सामग्री का अभिकल्पन और विकास विषय पर किया गया। कार्यशाला में शिक्षा जगत के अनेक दिग्गजों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लगभग 300 से अधिक विभिन्न संकाय के प्राध्यापको एवं लेखकों ने ऑनलाइन/ ऑफलाइन पंजीयन कराया।उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के जी सुरेश रहे। सारस्वत वक्ता प्रोफेसर संतोष कुमार पांडा निदेशक इग्नू(STRIDE), विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉक्टर अनिल कोठारी एवम अतिथि प्रोफेसर एन एन राव निदेशक, वेस्टर्न रीजनल रिसर्च सेंटर फॉर इंस्ट्रूमेंटेशन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो, डॉ संजय तिवारी एवं समन्वयक अकादमिक समन्वय विभाग के निदेशक प्रोफेसर उत्तम सिंह चौहान रहे। समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रविंद्र कन्हारे अध्यक्ष, शुल्क नियामक आयोग रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर संतोष पांडा, प्रोफेसर मधु परहार,उपनिदेशक एवं डा जी मैथिली उपस्थित थी ।आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर अनिल कुमार शर्मा द्वारा किया गया। समापन सत्र में कार्यशाला का प्रतिवेदन सहायक निदेशक डॉ इंदिरा दांगी द्वारा दिया गया एवम मंच संचालन विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ अनीता कौशल द्वारा किया गया।

मेरी माटी मेरा देश
11.08.2023

भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में भारत शासन के निर्देशानुसार "मेरी माटी मेरा देश" अभियान (09 से 15 अगस्त 2023)के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव का समापन कार्यक्रम है। इस अवसर पर उन्होंने गांधी जी की दांडी यात्रा, नमक सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि को याद किया।

स्वतंत्रता दिवस
15.08.2023

विश्वविद्यालय में 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय तिवारी द्वारा राजा भोज की प्रतिमा का विधिवत माल्यार्पण एवम राष्ट्रीय ध्वज का समारोहपूर्वक धवजारोहण किया गया।

इस अवसर पर लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई जिसमें राष्ट्रगान एवम राष्ट्रगीत के अतिरिक्त देशभक्तियुक्त कविता पाठ एवं गीत प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अनिल कुमार शर्मा ने किया एवं एलुमनाई द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

विश्व उद्यमिता दिवस

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के लिए 21 अगस्त 2023 का दिन अत्यंत स्मरणीय रहा। विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष में मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व अनेक छात्र-छात्राओं ने भारी संख्या अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री राजीव अग्रवाल, अनन्या पैकेजेस एंड प्राइवेट लिमिटेड, मंडीदीप, श्री भास्कर इंद्रकांति, ऑरेंज आऊल, श्री डी डी. गजभिए, ज्वाइन्ट डायरेक्टर एमएसएमई इंदौर, डॉ रतन सूर्यवंशी, डायरेक्टर स्टूडेंट सपोर्ट एमपीबीओयू एवं अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मध्य में श्री भास्कर इंद्रकांति ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम सभी के पास मीडिया (मोबाइल) की पावर है। उन्होंने कहा जिसके पास मीडिया का कंट्रोल होता है, वह इतिहास को परिभाषित करता है।श्री इंद्रकांति ने यह भी कहा कि डिग्री के आधार पर जॉब मिल सकती है किंतु स्किल के आधार पर ही कैरियर बनता है। भविष्य में एंटरप्रेन्योरशिप करनी है तो, लक्ष्य में AI और भविष्य में EQ आधारित कार्य करने होंगे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री डी. डी. गजभिए ने बताया कि 27 जून को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भी उससे ही जुड़ा हुआ है। उद्यमिता विकास दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश भोज विश्वविद्यालय में दो प्रसिद्ध उद्योगों के साथ अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित हुए। जिसमे प्रथम अनुबंध पत्र डॉ. राजीव अग्रवाल, अनन्या पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीप एवं मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य हस्ताक्षरित हुआ एवम दूसरा एमओयू श्री भास्कर इंद्रकांति, ऑरेंज आऊंल भोपाल एवम मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य हस्ताक्षरित हुआ तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर का भी उद्घाटन किया गया जिसमें सभी आमंत्रितों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 5/9/23

विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी शिक्षकों ने अपनी शैक्षिक यात्रा के अविस्मरणीय अनुभवों को साझा किया।

हिंदी दिवस :14/09/23

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक एवं साहित्यकार डॉ. इंदिरा दांगी थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने की।

हिंदी दिवस के अवसर पर डॉ. इंदिरा दांगी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत, मातृभाषा पर आधारित एक कविता से की। उन्होंने कहा कि, पाठ्यक्रम और जीवन में अंतर होता है। जो हमे पढ़ाया जाता है, वह जीवन में नहीं होता। डॉ. दांगी ने यह भी कहा कि, हिंदी अपने आप को हमेशा विकसित करती रहती है। हिंदी भाषा आज भारत की संपर्क भाषा है, और सही मायने में कहा जाए तो संपर्क भाषा ही तो राष्ट्रभाषा होती है।भाषा संवाद का माध्यम है, विवाद का नहीं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष भोज मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि हिंदी हमारी माता की तरह है। अपनी भाषा का हमें सम्मान करना चाहिए। हिंदी हमें एक सूत्र में बांधती है। यदि हिंदी नहीं होती तो शायद हमें स्वतंत्रता नहीं मिल पाती।आप सोते जागते समय जो भाषा बोलते हैं, वही आपकी मातृभाषा होती है। हिंदी भाषा के महत्व को देखते हुए कंप्यूटर को भी अपने सॉफ्टवेयर की भाषा में हिंदी को जोड़ना पड़ा। उन्होंने इच्छा ज़ाहिर की कि जब भारत अपनी आज़ादी की 100 वीं वर्षगांठ मना रहा होगा, तो हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा होगी। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ. अनीता कौशल ने कहा की हिंदी में बिंदी की महत्ता बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि जिस भाषा में भी कार्य करें, उसे शुद्धता से करें, सही भाषा लिखें और उसका सही उच्चारण भी करें।

विज्ञान मेला प्रदर्शनी दिनांक: 15 से 18 सितंबर2023

दसवें विज्ञान मेले 2023 जिसे मध्य प्रदेश कौंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,MPCST भोपाल एवं विज्ञान भारती ने संयुक्त रूप से भेल दशहरा ग्राउंड पर 15 से 18 सितंबर 2023 के मध्य आयोजित किया था, में विश्वविद्यालय ने भी अपने स्टॉल को प्रदर्शित किया। विश्व विद्यालय को शैक्षिक संस्थान श्रेणी में तृतीय विज्ञान पैविलियन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

NAAC पियर टीम दौरा दिनांक :11से 13सितंबर 2023

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद,NAAC की 7 सदस्यीय पियर टीम द्वारा विश्वविद्यालय के दौरे (11 से 13 सितंबर 2023) के दौरान विश्वविद्यालय के पिछले 5 वर्षों के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों का सात विभिन्न मापदंडों के माध्यम से मूल्यांकन किया गया। सर्वप्रथम NAAC पियर टीम का विश्वविद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया।दौरे का प्रारंभ राजा भोज एवं मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ किया गया। NAAC पियर टीम में देश के सात प्रख्यात शिक्षाविद उपस्थित रहे। टीम की अध्यक्षता प्रोफेसर नरेश दधीच, पूर्व कुलपति वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान थे। टीम के अन्य सदस्य: डॉ सैयद जहूर अहमद गीलानी, डीन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर,मेंबर कोऑर्डिनेटर, डॉ दामोदरम कृष्णमूर्ति, पूर्व प्रोफेसर, श्री वेंकटेश्वर युनिवर्सिटी, डॉ अरिंदम गुप्ता, प्रोफेसर विद्यासागर यूनिवर्सिटी, डॉ देवाशीष कर,प्रोफेसर असम यूनिवर्सिटी, सिलचर,असम, डॉ हीरेन जोशी,प्रोफेसर गुजरात यूनिवर्सिटी, एवम डॉ राजेंद्र सोनकावड़े, प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर रहे।

तत्पश्चात स्वागत की अगली कड़ी में, टीम की आवभगत एनसीसी कैडेट्स के गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया। टीम के समक्ष भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर डॉक्टर संजय तिवारी ने विश्वविद्यालय के उद्देश्य, दृष्टि पत्र, कार्यप्रणाली के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की उपलब्धियों ,एकेडमिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों के विषय में भी प्रेजेंटेशन दिया।

विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र, CIQA की निदेशक डा अनीता कौशल द्वारा टीम के समक्ष NAAC मूल्यांकन से संबंधित 7 मापदंडों पर आधारित प्रेजेंटेशन दिया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय दौरे के प्रथम दिवस अलग-अलग विभागों का निरीक्षण किया गया जिसमें CIQA, विद्यार्थी सहायता शाखा, लाइब्रेरी, प्रिंटिंग विभाग, एकेडमिक समन्वय, ईएमपीआरसी, शिक्षा विभाग, स्वयं प्रभाकेंद्र, परीक्षा शाखा,मेडिकल सेंटर एवं आईटी विभाग प्रमुख थे। टीम के सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल हेल्थ चेकअप भी कराया गया। टीम ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पिछले 5 वर्षों में किए गए कार्यों का जायजा लिया।

इन अध्ययन केंद्रों में: शासकीय होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर, महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ टीचर ट्रेनिंग यूनिट,इंदौर, शासकीय अटल बिहारी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज इंदौर तथा माधव साइंस कॉलेज ,उज्जैन, माधव आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज उज्जैन एवम एमपी विकलांग सहायता समिति उज्जैन सम्मिलित रहे।दौरे के तीसरे व अंतिम दिवस की शुरुआत में नैक पियर टीम के सदस्यों ने भोज विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। तत्पश्चात नैक पियर टीम के 7 शिक्षाविदों ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र- छात्राओं एवं उनके माता-पिता के साथ परिचर्चा की। दिवस के मध्य में नैक टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिवार के कर्मठ सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया और विश्वविद्यालय की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु नई दिशा देने हेतु सुझाव भी साझा किये। तीन दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में नैक टीम के सदस्यों ने क्षेत्रीय केंद्र भोपाल, इन्क्यूबेशन सेंटर और डे- केयर सेंटर एवम परिसर का भ्रमण कर रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सौर ऊर्जा सयंत्र, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट तथा विश्वविद्यालय के द्वारा किये गए नवाचारों को देखा। नैक पियर टीम के सदस्यों ने विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण भी किया।

प्रथम दिवस सायंकाल के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक एवम प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई।इस सांस्कृतिक संध्या में मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति की झलक, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से की गई। इसके साथ ही देश भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न प्रस्तुतियां भी की गई जिनमे NAAC पियर टीम के अध्यक्ष एवम सदस्यों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में नैक पियर टीम दौरे के दूसरे दिन टीम द्वारा इंदौर तथा उज्जैन के क्षेत्रीय निदेशक के कार्यालयों एवं अध्ययन केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

इसके पश्चात् एग्जिट मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे, सम्पूर्ण भोज विश्वविद्यालय परिवार की ओर से नैक सदस्यों का सम्मान कर उन्हें धन्यवाद दिया गया। तत्पश्चात नैक पियर टीम के अध्यक्ष प्रो. नरेश दधीच द्वारा भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी को संपूर्ण तीन दिवसों की सील बंद रिपोर्ट सौंपी गई।प्रो.दधीच ने विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को प्रेरित करते हुए कहा कि, नैक की बहुत अच्छी रैंकिंग से हमे शिथिल होने की आवश्यकता नहीं है, और कम रैंकिंग से भी हमे निराश होने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हमे विश्वविद्यालय और समाज की सेवा में निष्काम भाव से निरन्तर काम करने की आवश्यकता है । हमें अपने किये गए कार्य और परिश्रम का फल आज नहीं तो कल अच्छा जरूर मिलता है । मीटिंग में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि नैक पियर टीम के सभी मेंबर बहुत ही सौम्य स्वभाव के धनी और बहुत ही ज्ञानी हैं। उन्होंने सभी टीम के सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि, पियर टीम के सुझावों पर विश्वविद्यालय अवश्य अमल करेगा। डॉ. संजय तिवारी ने उपस्थित कर्मचारियों एवं अधिकारियों का आवाहन किया कि हमे विश्वविद्यालय को बदलती दुनिया के अनुरूप सूचना संचार तकनीक पर आधारित डिजिटल विश्वविद्यालय बनाना है और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श स्थापित करना है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ. अनीता कौशल द्वारा किया गया।

भोज विवि को ए ग्रेड, अब नए एडमिशन का रास्ता साफ

Bhoj Open University gets A grade from NAAC

OUR STAFF REPORTER

Bhoj Open University received A grade by National Assessment and Accreditation Council (NAAC) on Saturday. This was for the first time that Bhoj Open University went for NAAC assessment and received A grade. A few days back, NAAC team had visited university to know about the facilities it offered.

Bhoj Open University vice-chancellor Professor Sanjay Tiwari said, "A grade certificate by NAAC has raised the status of university, which will get funds under government schemes."

An A grade makes the university eligible to get financial benefit under government schemes. The A certificate to university also helps students as they are considered to have studied from good university.

"We all preparing for NAAC assessment for last six months. We are also thankful to 5,000 students who gave good feedback in Student Satisfaction Survey of NAAC," Tiwari added.

गांधी जयंती पर विशिष्ट व्याख्यान दिनांक:10/10/2023

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी शोध पीठ द्वारा महात्मा गांधी के विचार और दर्शन पर आधारित एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के एकेडमिक समन्वय विभाग के निदेशक प्रो. उत्तम सिंह चौहान ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ के सामने दो प्रमुख समस्याएं हैं] एक है हिंसा और दूसरा है पर्यावरण प्रदूषण। उन्होंने कहा कि गांधी जी के समय में हिंसा की समस्या तो थी किंतु पर्यावरण की समस्या उतनी भयावह नहीं थी जितनी कि आज है

प्रो. चौहान ने कहा कि गांधी के वे कार्यक्रम जो अपूर्ण हैं,उन्हें हमें आज पूरा करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. एल.पी. झारिया ने कहा कि गांधी जी के सिद्धांतो पर ही हमारा देश चल रहा है।उन्होंने कहा कि आज हमे गांधी जी के विचारों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है ।कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गांधी शोधपीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. मधुकर इटेवार द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस 31/10/2023

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में 31अक्टूबर 2023 को भारत के स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम उप- प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 148 वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रो. डॉ. उत्तम सिंह चौहान ने सरदार पटेल के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, सरदार पटेल ने भारत की देसी रियासतों के एकीकरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सरदार पटेल ने भारत के संविधान निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के कार्यों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें चिंतन करना चाहिए कि हम राष्ट्र के लिए क्या कर सकते हैं। हमें अपने कार्यों और देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने कहा कि, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जब अंग्रेज कमजोर पड़ गए तो, उन्होंने जाते-जाते भारत के तीन टुकड़े कर दिए। एक भारत, दूसरा पाकिस्तान और तीसरा स्वतंत्र रियासतें। सरदार पटेल इतनी दूरदृष्टि रखते थे कि उन्होंने पहले ही चीन के बारे में आगाह कर दिया था कि चीन भारत पर आक्रमण करेगा। इस अवसर पर प्रो. संजय तिवारी ने समस्त उपस्थित कर्मचारियों अधिकारियों और शिक्षकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार भोज मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

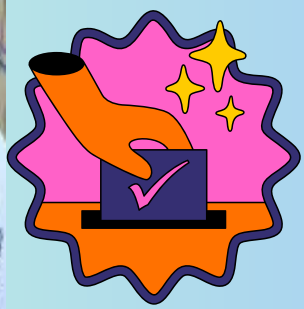

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम
7/11/23

भारत निर्वाचन आयोग के आवाहन अनुसार मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 7/11/23 को किया गया। कार्यक्रम का संचालन और विषय प्रवर्तन करते हुए, विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने निर्वाचन प्रणाली और मतदान के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, भोज मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. एल.पी.झारिया ने निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली और भारत में चुनाव के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि किस प्रकार एक वोट से न केवल भारत में अपितु विश्व में बड़े-बड़े निर्णय लिए गए और एक वोट ने कई सरकारों को गिराया या किसी को विजयश्री मिली। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. स्मिता राजन ने अवगत कराया कि इस बार के चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग मतदाताओं के लिए उनके घर पर ही मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होने या भी बताया कि इस बार पिंक बूथ भी बनाए जाएंगे, जिसमें मतदान दल के सभी सदस्य केवल महिलाएं ही होंगी । विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक श्रीमती संतोष सोनकिया शर्मा ने अपने अनुभव साझा किए और लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने लोगों से आवाहन किया कि वह अपना मतदान अवश्य करें और साथ ही साथ अपने परिवार के सभी साथियों और आस-पड़ोस को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। प्रो. संजय तिवारी ने इस अवसर पर उपस्थित समस्त विश्वविद्यालय परिवार को मतदान करने के लिए शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्मित प्रेरक वीडियो को भी दिखाया गया।

कार्यशाला 9/11/23

विश्वविद्यालय में 9/11/23 को "Entrepreneureship & Innovation as Career Opportunity" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट उद्यमी वक्ता के रूप में उपस्थित थे जिन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र में परिश्रम करने हेतु प्रेरित किया। इनमे दौलतराम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सी पी शर्मा एवम श्री जितेन्द्र राजाराम जो कि एजुकेशन एवम इंडस्ट्री के मेंटर हैं, सम्मिलित रहे। इस अवसर पर दौलतराम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किये गए।

जनजातीय गौरव दिवस: भगवान बिरसा मुंडा जयंती
दिनांक: 16/11/23

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 16.11.2023 को प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महान स्वतंत्रता सेनानी एवं देश के जनजातीय गौरव श्री बिरसा मुण्डा की जन्म तिथि (15 नवम्बर) के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी द्वारा की गई।

कार्यक्रम के आरंभ में भगवान बिरसा मुण्डा की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात बिरसा मुण्डा की जीवनी पर आधारित एक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एल.पी. झारिया ने अपने उदबोधन में बिरसा मुण्डा की जीवनी और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए, उनकी वीरता के संबंध में परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने बिरसा मुण्डा एवं मामा टन्टया् भील का जिक्र करते हुए बिरसा मुण्डा के द्वारा किये गये आन्दोलन (उलगुलान) तथा जल, जंगल एवं जीवन की लड़ाई के विषय पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन के अंत में प्रो. तिवारी ने कहा कि, कुछ लोग हैं,जो वक्त के साँचे में ढल जाते है और कुछ है, जो साँचे को बदल देते है।

कार्यक्रम का संचालन वि.वि. के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना बिसेन द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन प्रभारी कुलसचिव श्री नितिन सांगले द्वारा किया गया।

संविधान दिवस
दिनांक: 26/11/2023

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में संविधान दिवस, 26 नवंबर को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक कुमार पाण्डेय, पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश व पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. देवाशीष देवनाथ, संकाय अध्यक्ष, डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर सामाजिक विज्ञान संस्थान,महू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने की।

डॉ. देवाशीष देवनाथ ने डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के मानवाधिकार से संबंधित आंदोलन और संविधान निर्माण के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश अशोक पांडे ने संविधान निर्माण की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। उन्होंने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों की चर्चा की और उसके सापेक्ष में भारतीय ज्ञान परंपरा से वे किस प्रकार प्रेरित हैं। शिक्षा का उद्देश्य संस्कार देना है, श्रेष्ठ नागरिक बनाना है। डॉ अंबेडकर ने कहा था कि राजनीतिक लोकतंत्र ही नहीं बल्कि, हमें सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना होगा। स्वतंत्रता समानता और भ्रातृत्व को जीवन में उतारना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजय तिवारी ने कहा कि अंबेडकर जी ने कहा था कि संविधान हमें अपनी सीमाओं के बारे में बताता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधीश अशोक पाण्डेय ने उपस्थित सभी सदस्यों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रो. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.अनिल कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी शिक्षक व कर्मचारी गण उपस्थित थे।

एक दिवसीय कार्यशाला: 6/12/2023
बेसिक लैब स्किल्स विथ ईएक्सपी आइस दिनांक:

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक्स विषय के प्रायोगिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन 6/12/23 को किया गया । इस कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि केवल 49% स्कूलों में ही विज्ञान की प्रयोगशालाएं हैं और उनमें से भी केवल 70% प्रयोगशाला में उपकरण और सामग्री पूर्ण रूप से उपलब्ध है । विज्ञान के सभी मूल विषयों में प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक होता है । विज्ञान में कुशलता भी प्रयोग करने से ही हासिल होती है । भारत में विज्ञान की पुरातन परंपरा रही है और सिद्धांत और प्रयोग एक दूसरे से अंतर सम्बंधित होते है । प्रो. तिवारी ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकसित करने की आवश्यकता है । भारत को यदि विज्ञान के क्षेत्र में विश्व में आगे बढ़ाना है तो हमें विज्ञान के सैद्धांतिक विषयों के साथ-साथ प्रायोगिक विषयों पर बहुत अधिक बल देने की आवश्यकता है । उन्होंने कहा कि यह प्रयोग किट न केवल महाविद्यालय बल्कि स्कूली विद्यार्थियों के लिए भी बहुत उपयोगी होगी ।

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रयोगशाला में कम लागत के साथ प्रयोग सेटअप स्थापित करना है । कार्यशाला में विशिष्ट वक्ता इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलरेटर सेंटर,नई दिल्ली के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजीत कुमार ने उपस्थित शिक्षकों को एक विशेष प्रयोग किट जिसे ExpEYES कहते हैं, को प्रयोग करने से संबंधित प्रदर्शन किया । डॉ. अजीत ने बताया कि इस प्रयोग किट को किस प्रकार कंप्यूटर या फिर मोबाइल से जोड़कर विभिन्न प्रकार के भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक से संबंधित प्रयोग किया जा सकते हैं । डॉ. अजीत कुमार ने इस प्रयोग किट के माध्यम से स्कूल स्तर और महाविद्यालय स्तर के विभिन्न प्रकार के प्रयोगों को प्रतिभागियों के सामने करके दिखाया । उन्होंने कहा कि इस प्रकार की किट बहुत ही सस्ती कीमत पर उपलब्ध है । इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों में भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक के प्रयोग करने के लिए रुचि बढ़ेगी और उनका सैद्धांतिक ज्ञान और भी पुष्ट होगा । डॉ. अजीत कुमार ने प्रतिभागियों के प्रश्नों और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया ।कार्यशाला में भोपाल स्थित महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने भी अपनी प्रतिभागिता दी ।

कार्यशाला का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया । कार्यशाला का समन्वय विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. सुशील कुमार दुबे ने किया। कार्यशाला के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ रतन सूर्यवंशी, निदेशक,मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया ।

PM ADDRESS VIKSIT BHARAT @2047

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत@ 2047 के विज़न में विकसित भारत ,सशक्त भारत की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने की योजना समाहित है। इस हेतु विद्यार्थियों जिनपर विकसित एवम सशक्त भारत के सपने को पूर्ण करने का उत्तरदायित्व है, से संवाद स्थापित करने हेतु प्रधानमंत्री जी ने उनको दिनांक 11/12/23 को संबोधित किया। विद्यार्थियों को विकसित भारत के पोर्टल पर इस विजन को साकार करने की उनकी योजना को मेल करने का आह्वाहन किया। मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों , शिक्षको एवम कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। विश्वविद्यालय की प्रो विभा मिश्रा, डॉ अनीता कौशल, डॉ स्मिता राजन एवम डॉ साधना सिंह बिसेन ने विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु वीडियो लेक्चर भी तैयार किए।

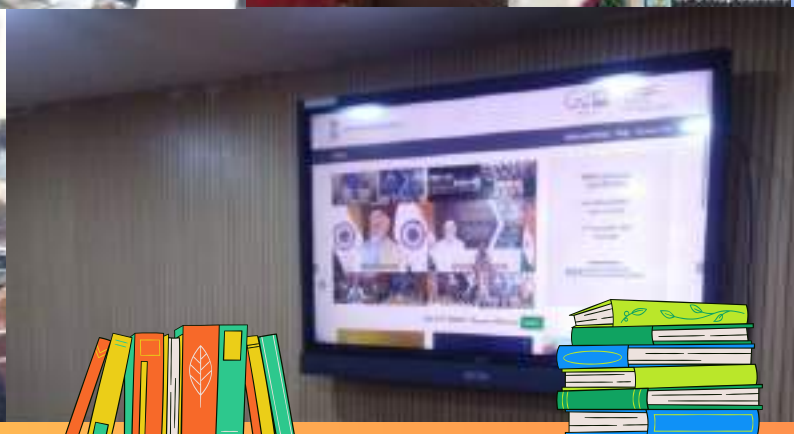

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 12/12/2023

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का शीर्षक था:"सभी के लिए स्वतंत्रता समानता और न्याय"।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रूप में मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों का ध्यान रखना चाहिए। श्री ममतानी ने अपने वक्तव्य में कहा कि, 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की गई। यह वह अधिकार थे जो विश्व में हर जगह लागू होते हैं । इसी समय भारत में संविधान का निर्माण हो रहा था। इसलिए भारतीय संविधान निर्माण कर्ताओं ने इन मानव अधिकारों का प्रावधान हमारे संविधान में किया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है । श्री ममतानी ने मानव अधिकारों के लागू होने की पृष्ठभूमि की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि, हमारे संविधान में मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेखित हैं। उन्होंने बताया कि 1993 में भारत में मानव अधिकार आयोग की स्थापना की गई और इसके साथ ही विभिन्न राज्यों में भी मानव अधिकार आयोग स्थापित हुए। उन्होंने यह भी बताया कि हमें अपने न्याय और स्वतंत्रता के लिए स्वयं ही प्रयास करना होगा। श्री ममतानी ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मानव अधिकार के संरक्षण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं का आवाह्न किया कि हमें दूसरों को अधिकार दिलाने के लिए भी आगे आकर मन से प्रयास करना होगा। उन्होंने भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाल व्यवस्थाओं पर चिंता जाहिर की। श्री ममतानी ने यह भी बताया कि किस प्रकार सूचना संचार तकनीक ने हमें स्वतंत्र किया है। किंतु इसके साथ ही उससे हमारी निजता के अधिकार का भी हनन होता है। अतः हमें अपने निजता के अधिकार के संरक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश महिलाओं के प्रति अपराध में देश में तीसरे नंबर पर है । महिलाओं के प्रति अपराध में लगभग 80% मामलों में अपराधी उसके निकट का ही कोई व्यक्ति होता है। इस स्थिति के लिए समाज को अपने अंदर व्यवहारिक बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें ज्ञान अर्जन के साथ-साथ उसे दूसरों को बांटना भी होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि मानव अधिकारों के क्षेत्र में भारत विश्व के लिए रोल मॉडल है। हमारी भारतीय संस्कृति में सर्वे भवंतु सुखिना, सर्वे संत निरामया की धारणा पूर्व से ही रही है । हम सभी विश्व के कल्याण की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि पंचतंत्र और हितोपदेश जैसी कृतियों में शुरू से ही मानव अधिकारों की चर्चा होती रही है। मानव अधिकारों का पोषण ही लोकतंत्र की आधारशिला है।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार ,डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया एवं अंत में आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया । कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

ऊर्जा संरक्षण दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 14/12/23

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर 14/12/2023 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम के कार्यकारी अभियंता अजय शुक्ला उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री शुक्ला ने सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों से अनुरोध करते हुए, ऊर्जा को किस प्रकार संरक्षित किया जा सकता है से सभी को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि एक यूनिट बिजली की बचत से हम दो यूनिट बिजली उत्पादन करने के बराबर बचत होगी। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हम ऊर्जा के उत्पादन में भले ही सहयोग न दे पाए, किंतु ऊर्जा के संरक्षण में सहयोग अवश्य दे सकते हैं। श्री शुक्ला ने कहा कि हमें नए उन्नत उपकरणों का उपयोग करना चाहिए जिनकी स्टार रेटिंग अधिक होती है और पुराने उपकरणों को बदल देना चाहिए, इससे हम काफी मात्रा में बिजली का संरक्षण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमें रोज़मर्रा के जीवन में ऊर्जा के अपव्यय को भी रोकना चाहिए: जैसे कमरों में लाइट, पंखे जब कोई ना हो तो उन्हें बंद करें। प्रेशर कुकर, सोलर वॉटर हीटर, सोलर कुकर इत्यादि का इस्तेमाल कर हम ऊर्जा की खपत को कम कर सकते हैं। श्री शुक्ला ने यह भी कहा कि अक्षय ऊर्जा के उपयोग पर हमें अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाकर ऊर्जा का उत्पादन भी कर सकते हैं। श्री शुक्ला ने कहा कि भारत में ऊर्जा के समवितरण में बहुत अधिक क्षति होती है। भारत में लगभग 70 से 80% बिजली कोयले से बनती है और इस बिजली उत्पादन प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। इससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि विकसित भारत के लिए ऊर्जा भी एक पैमाना है। हमें नेट कार्बन एमिशन जीरो करना है अर्थात हमें कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाना होगा। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का तापमान यदि 2 डिग्री बढ़ जाता है तो पृथ्वी पर हाहाकार मच जाएगा। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा और कहीं भूकंप जैसी समस्याएं बढ़ जाएगी। डॉ. तिवारी ने बताया कि हमारी ऊर्जा का 21% उपयोग केवल रोशनी करने में ही खर्च होता है। उन्होंने एलईडी बल्ब और ट्यूबलाइट के उपयोग बढ़ाने के लिए आवाहन किया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा भारत के लिए सर्वोत्तम ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भारत को 2030 तक अपनी 50 % ऊर्जा का उत्पादन अक्षय ऊर्जा से करना होगा। डॉ. तिवारी ने कहा कि ग्रीन एनर्जी और नेशनल हाइड्रोजन मिशन से लगभग अगले 10-15 साल में हम विश्व में अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर आ सकते हैं। उन्होंने कहां कि विकास विनाश में ना बदले इसका हमें विशेष ध्यान रखना होगा। ऊर्जा का सदुपयोग करें और उसके दुरुपयोग को रोकें। हमें शासन की विभिन्न योजनाओं का भी लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. स्मिता राजन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय गणित दिवस
(श्रीनिवास रामानुजन का जन्म दिवस) 22/12/23

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन 22/12/23 को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रूप में डॉ. प्रो. वी.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष गणित विभाग शासकीय स्नातकोत्तर माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. गुप्ता ने सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों को गणित की गहराइयों से परिचित कराते हुए गणित के फॉर्मूले को समझने और समझाने की पद्धति से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान श्री निवास रामानुजन के जीवन पर आधारित एक वृत्त चित्र भी दिखाया गया।

प्रो. वी.के. गुप्ता ने कहा कि यह आश्चर्य का विषय है कि भारत में हमारे पाठ्यक्रमों में रामानुजन की गणित ज्यादा दिखाई नहीं देती है। श्री गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा का भारतीयकरण हुआ है। 1911 में रामानुजन ने वृत्त की समस्या का समाधान किया था जिसे इंडियन मैथमेटिकल जर्नल में प्रकाशित किया गया। उन्होंने बताया कि रामानुजन ने 132 प्रमेयों को कैंब्रिज विश्वविद्यालय में डॉ. हार्डी के पास भेजा था किंतु रामानुजन के 12वीं कक्षा पास न होने के कारण उनका कैंब्रिज में बुलाया जाना नियम विरुद्ध था। लेकिन उनकी प्रतिभा को देखते हुए डॉ. हार्डी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय के अध्यादेश में संशोधन करवाया और इंग्लैंड के दोनों सदनों से पास करवाया। रामानुजन कहते थे कि मुझे अपने समीकरणों प्रमेयों और फॉर्मूलों में आध्यात्मिकता नज़र आती है। रामानुजन ने पार्टीशन ऑफ नंबर की समस्या के समाधान के लिए फॉर्मूला पर शोध किया। इसका उपयोग आजकल बैंकिंग और आईटी सेक्टर में किया जाता है। रामानुजन के शोध हेवी कंपोजिट नंबर पर उन्हें रॉयल सोसाइटी का फेलो मेंबर बनाया गया था। रामानुजन ने विश्व को अनंत का सिद्धांत दिया है। डॉ. मंजुल भार्गव ने रामानुजन की थ्योरी पर कार्य करते हुए ब्लैक होल पर कार्य किया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि रामानुजन की बहुत सारी गणित को हम अभी भी नहीं समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल पासवर्ड, ओटीपी जैसी बहुतायत में इस्तेमाल होने वाली तकनीक रामानुजन के प्राइम नंबर के हल पर ही आधारित है। वैदिक गणित को स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि रामानुजन की गणित ने दुनिया को बदल दिया। वह गणित के प्रति जुनूनी व्यक्ति थे। 32 साल की उम्र में उन्होंने 4000 से ज्यादा प्रमेय दिए गए हैं। डॉ. तिवारी ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विज्ञान में समृद्ध था। उन्होंने कहा कि हमारी गणित की श्रेष्ठ परंपरा आर्यभट्ट से प्रारंभ होती है, आर्यभट्ट ने ही सबसे पहले बताया था कि पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है। इसी परंपरा में भास्कराचार्य और वराह मिहिर आदि वैज्ञानिक आते हैं। उन्होंने कहा कि ज्योतिष की गणना में गणित का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. तिवारी ने कहा कि अनंत की व्याख्या हमारे ग्रन्थ - कठोपनिषद में की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोग गणित में इतने अच्छे कैसे थे, इसके दो-तीन कारण हो सकते हैं, पहला ये कि भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित थी और वर्षा के पूर्वानुमान के लिए खगोलीय ज्ञान आवश्यक था।

खगोलीय ज्ञान गणित पर आधारित था और दूसरा यहां नदियों से व्यापार होता था और नेविगेशन के लिए भी गणित ज्ञान की आवश्यकता होती थी। शायद यही कारण है कि भारतीयों में गणित का ज्ञान सबसे अच्छा हुआ करता था।

डॉ. तिवारी ने कहा कि रामानुजन अपने समय से 100 साल आगे थे। आज क्रिप्टोग्राफी और कैंसर के अध्ययन लिए उनकी प्रमेयों का उपयोग किया जाता है। रामानुजन की विदेश में तो कद्र हुई किंतु अपने देश में उतनी कद्र नहीं हुई जितनी होना चाहिए थी।डॉ. तिवारी ने इस अवसर पर सत्येंद्र नाथ बोस को उनके विज्ञान में योगदान को भी याद किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा विकसित भारत 2047 के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया इसमें निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया । अंत में आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।